

फ्यूचर ऑफ जॉब्स रपॉर्ट, 2025

प्रलिस के लयः

वशव आरथक मंच (WEF), फ्यूचर ऑफ जॉब्स रपॉर्ट, गरीन ट्रांजशुन, AI, नवीकरणीय ऊर्जा, कम आय वाली अरथव्यवस्थाएँ, हतधारक पूंजीवाद, वशव प्रतसुपरदधातमक सूचकांक, वैश्वक लैंगक अंतराल सूचकांक, ऊर्जा संकरमण सूचकांक, वैश्वक जोखम रपॉर्ट, वैश्वक यात्रा एवं पर्यटन प्रतसुपरदधातमकता सूचकांक, GenAI, अर्द्धचालक, क्वांटम, एनकरपुशुन ।

मेन्स के लयः

वैश्वक श्रम बाज़ारों में तकनीकी प्रगतक प्रभाव ।

स्रोत: हदुस्तान टाइम्स

चर्चा में क्यों?

वशव आरथक मंच (WEF) द्वारा 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स रपॉर्ट, 2025' को जारी कयल गयल, जसमें वर्ष 2030 तक वैश्वक रोज़गार बाज़ार को आकार देने वाले प्रमुख रुझानों एवं परवर्तनों पर प्रकाश डाला गयल है ।

- 55 अरथव्यवस्थाओं से प्राप्त इनपुट के आधार पर तैयार की गई इस रपॉर्ट में वर्ष 2030 तक 78 मलुयन नौकरयों की शुद्ध वृद्धक अनुमान लगायल गयल है तथा इस बात पर प्रकाश डाला गयल है ककसि प्रकार प्रौद्योगकक, आरथक बदलाव एवं हरत परवर्तन से रोज़गार एवं कौशल पर प्रभाव पड़ता है ।

WEF रपॉर्ट के मुख्य नषिकर्ष क्यल हैं?

- उभरते कषेत्र: सबसे तेजी से उभरते कषेत्र में फ्रंटलाइन रोज़गार (कृष श्रमक, डलुवरी), देखभाल अरथव्यवस्था, तकनीकी भूमकिएँ और गरीन ट्रांजशुन से संबंधत रोज़गार शामिल हैं ।
- कम प्रभाव वाले कषेत्र: इस रपॉर्ट में पायल गयल है ककैशयर, डाटा एंटरी क्लर्क एवं बैंक टेलर जैसी लपककय भूमककओं में काफी गरलवट आने की संभावना है ।
- रोज़गार का वसुथापन और सृजन: सवचालन, नवीकरणीय ऊर्जा में नवल और वृद्ध होती आबादी के कारण रोज़गार कम हो रहे हैं लेकन नई तकनीक एवं मशीन प्रबंधन समबन्धी भूमककओं में वृद्ध हो रही हैं ।
 - धीमी आरथक संवृद्ध के कारण वैश्वक स्तर पर 1.6 मलुयन रोज़गार समाप्त होने की आशंका है ।
- तकनीकी उन्नततः डिजिटल पहुँच का वसुतार सबसे अधिक परवर्तनकारी प्रवृत्तत है, 60% नयोकताओं को उम्मीद है क इससे वर्ष 2030 तक व्यवसायों का स्वरूप बदल जाएगा ।
 - उच्च कौशल की मांग वाली प्रमुख प्रौद्योगककयों में कृत्रम बुद्धमतता (AI) और सूचना प्रसंसकरण (86%), रोबोटकस तथा सवचालन (58%) और ऊर्जा प्रौद्योगककयों (41%) शामिल हैं ।
- हरत परवर्तन: जलवायु परवर्तन शमन और अनुकूलन प्रवृत्ततयों से अकषय ऊर्जा इंजीनयरों, पर्यावरण इंजीनयरों और इलेक्ट्रक तथा सवायत्त वाहनों के वशषज्जों जैसी भूमककओं की मांग बढ़ रही है ।
- जनसांख्यकक बदलाव: वृद्ध होती आबादी एवं कम होते कार्यबल से श्रम आपूरत प्रभावत होती है ।
- उच्च आय वाली अरथव्यवस्थाओं में वृद्धावस्था के कारण सवास्थय सेवा की मांग बढ़ जाती है जबक नमन आय वाली अरथव्यवस्थाओं में बढ़ते कार्यबल के कारण शकषकों तथा प्रतभाशाली प्रबंधकों की मांग बढ़ जाती है ।
- भू-आरथक वखंडन: भू-राजनीतक तनाव और व्यापार प्रतबिंध 34% संगठनों में व्यापार मॉडल परवर्तन को प्रेरत कर रहे हैं ।
 - व्यवसायों द्वारा अपने परचालन को वदश में स्थानांतरत करने और पुनः वदश में हसतांतरत करने की अधिक संभावना है ।
 - भू-राजनीतक तनाव सुरक्षा भूमककओं और साइबर सुरक्षा कौशल की मांग को बढ़ा रहे हैं ।
- भारत से संबंधत नषिकर्ष: भारत AI कौशल नामांकन में अग्रणी है, तथा कॉरपोरेट प्रायोजन से GenAI प्रशकषण को काफी बढ़ावा मल रहा है ।
- भारत में नयोकता वैश्वक तकनीक अपनाने में तेजी लाने का लक्ष्य रखते हैं, 35% नयोकता सेमीकंडक्टर और कंप्यूटग प्रौद्योगककयों से तथा

21% नयिकता [क्वांटम और एनकरपिशन](#) से परचालन में परिवर्तन की उम्मीद करते हैं।

- भारत और उप-सहारा अफ्रीकी देश, आने वाले वर्षों में लगभग दो-तहई नए कार्यबल की आपूर्ति करेंगे।

वर्ल्ड आर्थिक मंच (WEF)

- **परिचय:** WEF सार्वजनिक-नज़्मी सहयोग के लिये एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसका मुख्यालय [ज़नैवा](#), [स्वटिज़रलैंड](#) में स्थिति है।
 - यह उद्योगों, क्षेत्रों और वैश्विक स्तर पर एजेंडा को आकार देने के लिये वैश्विक नेताओं को शामिल करता है।
- **आधार :** वर्ष 1971 में [क्लॉस श्वाब](#) द्वारा [यूरोपीय प्रबंधन फोरम](#) के रूप में स्थापित, WEF ने "[हतिधारक पूंजीवाद](#)" की शुरुआत की, जो शेरधारकों के लिये न केवल अल्पकालिक लाभ पर बल्कि सभी हतिधारकों के लिये [दीर्घकालिक मूल्य पर जोर देता है](#)।
- **विकास:** वर्ष 1973 में WEF ने अपना ध्यान [आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित किया](#)। इसने वर्ष 1975 में विश्व की अग्रणी 1,000 कंपनियों के लिये सदस्यता की शुरुआत की।
 - वर्ष 1987 में इसे विश्व आर्थिक मंच का नाम दिया गया, जिससे संवाद के लिये एक मंच के रूप में इसकी भूमिका व्यापक हो गई। वर्ष 2015 में इसे एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में मान्यता दी गई।
- **प्रमुख रिपोर्ट:** WEF प्रमुख रिपोर्टें प्रकाशित करता है, जिसमें [वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक](#), [विश्व लैंगिक अंतर सूचकांक](#), [ऊर्जा संक्रमण सूचकांक](#), [वैश्विक जोखिम रिपोर्ट](#) और [वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक](#) शामिल हैं।

उभरती प्रौद्योगिकियों के कारण भारत में रोज़गार के लिये क्या चुनौतियाँ हैं?

- **रोज़गार वसिस्थापन:** अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के अनुसार, [वनिर्माण एवं सेवा](#) जैसे क्षेत्रों में दोहराव वाले कार्यों का स्वचालन हो रहा है, जिसके कारण संभावित रूप से रोज़गार का वसिस्थापन हो रहा है।
- **कौशल की कमी:** AI, साइबर सुरक्षा और डेटा साइंस में विशेषज्ञता की बढ़ती आवश्यकता है। हालाँकि कार्यबल के एक महत्वपूर्ण हिस्से में विशेष कौशल का अभाव है, जिससे रोज़गार की आवश्यकताओं और उपलब्ध प्रतभा के बीच अंतर देखने को मिलता है।
- **असमान प्रौद्योगिकी अपनाना:** शहरी क्षेत्र तीव्रता से नवीन प्रौद्योगिकियों को अपना रहे हैं, जबकि इस मामले में ग्रामीण क्षेत्र पीछे हैं, जिसके कारण रोज़गार के अवसरों और आर्थिक विकास में असमानताएँ उत्पन्न हो रही हैं।
- **अनौपचारिक क्षेत्र की चुनौतियाँ:** अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों, जो भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, को प्रशिक्षण और शिक्षा तक पहुँच की कमी के कारण प्रौद्योगिकी-संचालित नौकरियों में बदलाव करना कठिन हो सकता है।

आगे की राह

- **उन्नत कौशल:** सरकारों, व्यवसायों और शैक्षिक संस्थानों को उभरते क्षेत्रों के अनुरूप विशेष कौशल उन्नयन कार्यक्रम बनाने के लिये सहयोग करना चाहिये।
 - नयिकताओं को कर्मचारियों को घटती भूमिकाओं से बढ़ती भूमिकाओं में परिवर्तन में मदद करने के लिये [कैरियर प्रगतिके मार्ग](#) बनाने चाहिये।
- **विविधता, समानता और समावेशन (DEI):** कंपनियों को विविधता भरती कार्यक्रमों में नविश करना चाहिये, जिसका लक्ष्य कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों और क्षेत्रों तक पहुँचना है, जिससे प्रतभा समूह में वृद्धि हो सके।
- **कार्यबल के लिये AI को अपनाना:** मानव रचनात्मकता और AI दक्षता के मशिरण को अपनाना, जहाँ मनुष्य और मशीनें प्रतिस्पर्धा करने के बजाय सहयोग कर सकें, जिससे रोज़गार का त्याग किये बगैर उत्पादकता में सुधार हो सके।
- **प्रतभा को बनाए रखना:** नियमित वेतन समीक्षा करना, पारशिरमिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना, तथा प्रतधारण और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिये [सुटॉक विकल्प](#), [बोनस](#) और [लाभ](#) जैसे प्रोत्साहन प्रदान करना।
- **सार्वजनिक नीतिका समर्थन:** सरकारों को पुनः कौशल प्रदान करने और उच्च कौशल प्रदान करने हेतु पहलों को वित्तिपोषित करना चाहिये, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी से प्रभावित उद्योगों के लिये, साथ ही वसिस्थापित श्रमिकों के लिये पुनः प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और रोज़गार की व्यवस्था करनी चाहिये।

नबिर्क्ष

WEF की 'फ्यूचर ऑफ़ जॉब्स रिपोर्ट 2025' में कौशल वृद्धि, तकनीकी बदलावों के अनुकूल होने और कार्यबल में विविधता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। सरकारों और व्यवसायों को भविष्य की नौकरी की मांगों को पूरा करने के लिये कौशल, AI और समावेशी विकास रणनीतियों में नविश करके लचीले श्रम बाज़ार निर्माण के लिये सहयोग करना चाहिये।

दृष्टिमुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: वर्ष 2030 तक वैश्विक श्रम बाज़ारों पर तकनीकी प्रगत और आर्थिक स्थितियों के प्रभाव पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

[[[?/?/?/?/?/?/?/?/?]]

प्रश्न 1. वैश्विक प्रतस्पर्द्धात्मकता रिपोर्ट किसके द्वारा प्रकाशित की जाती है? (2019)

- (a) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (b) व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
- (c) विश्व आर्थिक मंच
- (d) विश्व बैंक

उत्तर: (c)

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन विश्व के देशों को 'ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स' रैंकिंग प्रदान करता है? (2017)

- (a) विश्व आर्थिक मंच
- (b) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद
- (c) संयुक्त राष्ट्र महिला
- (d) विश्व स्वास्थ्य संगठन

उत्तर: (a)

??????

1. 'समावेशी संवृद्धि' के प्रमुख अभिलक्षण क्या हैं? क्या भारत इस प्रकार के संवृद्धि प्रक्रम का अनुभव करता रहा है? विश्लेषण कीजिए एवं समावेशी संवृद्धि हेतु उपाय सुझाइये। (2017)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/future-of-jobs-report-2025>

